

Inhalt.

Erste Abtheilung. Der Ursprung des Galaterbriefs.

| | |
|---|---------|
| Borwort..... | Seite 3 |
| Eingang (C. 1, 6—10)..... | " 8 |
| Die Berufung des Apostels (C. 1, 11—16)..... | " 13 |
| Das Verhältniß des Apostels zu Jerusalem (C. 1, 17—2, 14) | " 15 |
| Das Thema des Briefs (C. 2, 15—21)..... | " 27 |
| Die dogmatische Auseinandersetzung (C. 3, 1—4, 31)..... | " 33 |
| Ermahnungen und Schluß (C. 5 und 6)..... | " 57 |

Zweite Abtheilung. Ursprung und Composition des ersten Korintherbriefs.

| | |
|--|---------|
| Der Eingang (C. 1, 1—9)..... | Seite 3 |
| Die Partheiungen (C. 1, 10—4, 21)..... | " 6 |
| Von der Unzucht (C. 5, 1—6, 20)..... | " 34 |

| | |
|---|----------|
| Von der Ehe (C. 7)..... | Seite 42 |
| Vom Güzenopfer (C. 8 – C. 11, 1)..... | " 48 |
| Vom Mahl des Herrn (C. 11, 2 – 34)..... | " 62 |
| Vom Jungenreden (C. 12 – C. 14)..... | " 66 |
| Die Auferstehung (C. 15)..... | " 70 |
| Der Schluß (C. 16)..... | " 74 |

Dritte und letzte Abtheilung.

| | |
|---|---------|
| Der zweite Korintherbrief..... | Seite 3 |
| Der Römerbrief..... | " 47 |
| Die Pastoralbriefe..... | " 77 |
| Die Briefe an die Theffalonicher | " 89 |
| Der Epheser- und der Kolosserbrief..... | " 101 |
| Der Brief an die Phöllipper..... | " 110 |
| Schluß..... | " 118 |
